Literacy for a Billion

Movie: Karz
Year: 1980

Song: Ek Hasina thi
Lyricist: Anand Bakshi

एक हसीना थी एक दीवाना था
क्या उमर क्या समाँ क्या ज़माना था
आ..
एक हसीना थी
हसीना थी
एक दीवाना था
दीवाना था
क्या उमर क्या समाँ क्या ज़माना था
आ..

एक दिन वो मिले
रोज मिलने लगे
एक दिन वो मिले
रोज मिलने लगे
फिर मोहब्बत हुई
बस क़यामत हुई
खो गए तुम कहाँ
सुन के ये दास्ताँ
लोग हैरान हैं क्यों की अनजान है
इश्क़ की वो गली बात जिसकी चली
उस गली में मेरा आना जाना था
एक हसीना थी एक दीवाना था
क्या उमर थी
क्या समाँ था
क्या ज़माना था
एक हसीना थी एक दीवाना था

उस हसीं ने कहाँ
उस हसीं ने कहाँ सुनो जाने वफ़ा
ये पलक़ ये ज़मीं तेरे बिन कुछ नहीं
तुझपे मरती हूँ मैं प्यार करती हूँ मैं
बात कुछ और थी
वो नज़र चोर थी
उसके दिल में छुपी चाह दौलत की थी
प्यार का वो फक़्त एक बहाना था
एक हसीना थी एक दीवाना था
क्या उमर थी
क्या समाँ था
क्या ज़माना था
एक हसीना थी एक दीवाना था
बेवफ़ा यार ने
अपने मेहबूब से
ऐसा धोखा किया
ऐसा धोखा किया
ऐसा धोखा किया
ऐसा धोखा किया
ज़हर उसको दिया
ज़हर उसको दिया

मर गया वो जवाँ
मर गया वो जवाँ
अब सुनो दास्ताँ
जन्म लेके कहीं
फिर वो पहूँचा वहीं
शकल अंजान थी
अकल हैरान थी
सामना जब हुआ
सामना जब हुआ

फिर वहीं सब हुआ
उसपे ये कर्ज था

उसपे ये कर्ज था
फर्ज को कर्ज अपना चुकाना था

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.